Title: Regarding creation of employment opportunities in the country

श्री रतन लाल कटारिया (अम्बाला): आजादी के 75 वे अमृत महोत्सव में मैं रोजगार सृजन के लिए माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्री से मांग करता हूं कि भारत वर्ष में एक स्वावलंबी भारत अभियान चलाया जाए । जिसके अंतर्गत रोजगार सृजन हेतु त्रिस्तरीय योजना बनाई जाए प्रथम स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के प्रयत्नो को प्रोत्साहन व सहयोग दिया जाए, दूसरा जिला रोजगार सृजन की स्थापना की जाए, तीसरा मानसिकता परिवर्तन हेतु उधमिता पर देशव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जाए और इसमें आर्थिक, सामाजिक व क्षेत्रीय संगठनों की पहल हो । यद्यपि प्रधानमंत्री जी भारत के युवाओं को प्रोत्साहित कर रहे हैं, कि वह जॉब सीकर से जॉब क्रिकेटर बने । अनेक प्रयत्नों से आज सेल्फ एंप्लॉयमेंट और एंटरप्रेन्योरशिप रोजगार के लिए लोकप्रिय विकल्प बन रहे हैं । सरकार की मजबूत आर्थिक नीतियां सलाना रोजगार के लाखों नए अवसर पैदा कर रहे हैं, यही कारण है कि वर्ष 2021-22 में 420 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ, 1.34 लाख युवाओं को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया, ताकि देश में रोजगार के नए अवसर बढ़े । आज भारत में प्रतिदिन 600 कंपनियों का पंजीकरण हो रहा है और 100 यूनिकॉर्न कंपनियां भारत में बन चुकी है और 70,000 से ऊपर स्टार्टअप शुरू हो चुके हैं । भारत को 2030 तक पूर्ण रोजगार युक्त देश बनाने के लिए और 2030 तक 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए भारत का रोजगार के क्षेत्र में अग्रणी पंक्ति में होना आवश्यक है। कौन नहीं जानता कि भारत आर्थिक दृष्टि से संपन्न एवं पूर्ण रोजगार युक्त देश रहा है। अभी सरकार ने केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2022 को पास किया है जिसके माध्यम से परिवहन के क्षेत्र में लगातार विकास व अनुसंधान हेतु युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सके । मैं सरकार से मांग करता हूँ कि उपरोक्त विषय पर शीघ्र आवश्यक कदम उठाए जाये । मांग करता हूं, कि भारत के महान सदन को इस अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान करना चाहिए ।